B.A. Part-I Hons session 2019 -20
Girija uranw Deptt of Psy Paper IInd
R.M.C. Sasaram

एडलर का स्वप्न सिद्धांत (Adler's theory of dream)

एडलर भी फ्रायड का एक प्रमुख शिष्य था। बहुत दिनों तक फ्रायड साथ मिलकर कार्य किया। परन्तु स्वप्न के संबंध में फ्रायड से अलग अपना मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं व्याख्या प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत में फ्रायड की अचेतन कामुक इच्छाओं की जगह आधिपत्य की भावना Dominance feeling को प्रमुख बताया गया है। इसके अनुसार स्वप्न में इसी प्रवृत्ति की सन्तुष्टि करने का प्रयास होता है। एडलर के ही शब्दों में "Dream is an attempted solution of problem arising from a conflict between life's two basic principles — superiority striving and feeling of inferiority" अर्थात स्वप्न में उन समस्याओं के समाधान की चेष्टा की जाती है जो आधिपत्य की भावना और हीनभाव में संघर्ष के कारण उत्पन्न होती है। एक ओर हम श्रेष्ठ तथा महान् बनना चाहते हैं। और दूसरी ओर हीन भाव के कारण हतोत्साहित भी हो जाते हैं। इस तरह वास्तविकता दोनों से मिल हो जाती है। अतः स्वप्न में इस वास्तविकता एवं दोनों पहलुओं के बीच सामंजस्य पैदा करने की कोशिश की जाती है। एडलर का कहना है कि स्वप्नों के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली (style of life) की अभिव्यक्ति होती है। जीवन शैली बाल्यावस्था के कुछ ही वर्षों में बन जाती है। इस तरह Adler के अनुसार dreams are an attempt to make a bridge between an individual's style of life and his present problem without making any new demands of

the style of life."

फ्रायड ने स्वप्न का संबंध अतित से माना है परन्तु Adler स्वप्न का संबंध वर्तमान एवं भविष्य से मानता है स्वप्न में अपने गावी जीवन के कार्यों का पूर्वाभ्यास होता है।

Scanned with CamScanner